उल्हासनगर मनपा चुनाव 15 जनवरी को

उल्हासनगर मनपा चुनाव 2026
कुल पैनल 20
कुल सदस्य 78
सामान्य 43
पिछड़ा वर्ग 21
अनुसूचित जाति 13
अनुसूचित जनजाति 1

चुनावी कार्यक्रम
मतदान – गुरुवार 15 जनवरी 2026
मतगणना – शुक्रवार 16 जनवरी 2026
नामांकन फार्म 23 से 30 दिसंबर तक भरे जाएंगे
नामांकन फार्म की जांच 31 दिसंबर 2025
उम्मीदवारी वापस 2 जनवरी 2026
उम्मीदवारों की अंतिम सूची व चुनाव चिन्ह 3 जनवरी 2026

उल्हासनगर मनपा चुनाव 2017 परिणाम	
भाजपा–टीओके	32
शिवसेना	25
साई पक्ष	11
राकांपा	4
आरपीआय	2
कांग्रेस	1
पीआरपी	1
भारिप	1
रासप	1

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 236 ■ मंगलवार 16 दिसंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

ट्वेंटी-20 का खेल होगा मनपा चुनाव

- ■ राजनीतिक हलचल तेज
- ■ नामांकन फार्म 23 से 30 दिसंबर तक भरे जाएंगे
- ■ उम्मीदवारी वापस 2 जनवरी को
- ■ मतगणना 16 जनवरी को होगी
- ■ चुनाव आचार संहिता लागू
- ■ युवाओं का जमघट होगा चुनाव में
- ■ कम समय में पुराने चेहरों को ही मौका

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का कार्यकाल 4 अप्रैल 2022 को समाप्त हो गया है। तबसे अब तक मनपा में प्रशासकीय राज है। इस प्रशासकीय राज में कई आयुक्तों ने कार्यभार संभाला बावजूद शहर विकास कार्य ठप्प ही पड़ा रहा। ऐसे में सभी को आगामी मनपा चुनाव का जो इंतजार था वो खत्म हो गया है। राज्य चुनाव आयोग ने सोमवार 15 दिसंबर 2025 को चुनाव का ऐलान कर दिया है। उल्हासनगर महानगरपालिका का मतदान आगामी गुरुवार 15 जनवरी 2026 को तय हुआ है। नामांकन पत्र भरने की तारीख 23 से 30 दिसंबर तक होगी।

नामांकन फार्म की जांच 31 दिसंबर 2025 को होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की तिथि 2 जनवरी 2026 को है और उम्मीदवारों की अंतिम सूची व चुनाव चिन्ह 3 जनवरी 2026 को दिए जाएंगे। मतगणना शुक्रवार 16 जनवरी को होगी। चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। करीब चार वर्षों बाद हो रहे चुनाव से राजनीतिक हलकों में खुशी की लहर छा गई है।

उल्हास विकास की भविष्यवाणी सच

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 204 ■ शुक्रवार 7 नवंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
हमारी फील्ड थोड़ी अलग है : यामी गौतम
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

15 जनवरी को मनपा चुनाव?

■ 13 दिसंबर से आचार संहिता!
■ शिंदे के कार्यक्रम में रवि पाटिल ने दिया बयान

पार्टी का रणनीति पर ज़ोर

पार्टी प्रचार में अहम भूमिका निभाने का आह्वान

दै. उल्हास विकास ने 7 नवंबर के अंक में ही यह संकेत दिया था कि आगामी 15 जनवरी 2026 को चुनाव होने हैं। ऐसे में कल चुनाव आयोग की घोषणा ने इस भविष्यवाणी को पूरी तरह सच साबित कर लिया है।

दै. उल्हास विकास पिछले 45 वर्षों से पाठकों तक सच पहुंचाने का कार्य करते आया है और इस चुनाव में भी शहर की त्रस्त जनता का संदेश अपने समाचार पत्र के माध्यम से करता रहेगा।

- ■ 3 जनवरी के बाद चुनाव प्रचार पकड़ेगा जोर
- ■ प्रचार के लिए 20 दिनों से भी कम समय

उल्हासनगर. मनपा चुनाव की घोषणा तो हो गई है लेकिन उम्मीदवारों को जो तैयारी का मौका पहले 40 दिनों का मिलता था अब वो 20 दिन से भी कम का मिल रहा है। जनता को अपने उम्मीदवारों को जानने का मौका बहुत ही कम है।

3 जनवरी तक तो चुनावी कार्यक्रम प्रक्रिया चलेगी उसके बाद चुनाव प्रचार का जोर शुरू होगा। करीब 15 दिन ही उम्मीदवारों को अपने वार्डों में पूरी तरह प्रचार का मौका मिल पाएगा। अब देखना है कि इस खेल में जनता किसे आउट करती है पुराने चेहरों को या नए चेहरों को मौका देकर जीताएगी।

महायुति पर सबकी नजरें...

2017 में जो चुनाव परिणाम आए थे आज की स्थिति उसके काफी विपरीत है। चुनावी रणनीति में सबसे ज्यादा जो घमासान होता है वो भाजपा व टीम ओमी कालानी को लेकर ही होता है। शिवसेना के जो करीब 25 वार्ड हैं वो हमेशा से ही सुरक्षित रहे हैं। लेकिन जहां सिंधी समाज के मतदाता अधिक हैं उन वार्डों में भाजपा व टीओके में हमेशा टकराव रहा है। उनके टकराव के कारण ही सत्ता टिक नहीं पाती। दोनों के बीच कुर्सी की जंग में शिवसेना बाजी मार लेती है इस बार भी कुछ यूं ही होता नजर आ रहा है। विधानसभा चुनाव में कालानी की हार के बाद कमजोर पड़े कालानी ने राकांपा शरद पवार गुट को त्याग कर शिवसेना शिंदे गुट के साथ चुनाव में दोस्ती का गठबंधन कर लिया ताकि वो भाजपा को नीचे गिरा सके। लेकिन कुछ दिनों पूर्व मनपा चुनाव में गठबंधन को लेकर महायुति में आपसी बैठकें तो शुरू हो गई है लेकिन असमंजस की स्थिति अभी भी बनी हुई है जो चुनाव प्रक्रिया तक ही चलती रहेगी कि भाजपा व शिवसेना मिलकर चुनाव लड़ेंगे या नहीं कहीं अंत में सेना अपनी सहयोगी भाजपा को ठेंगा न दिखा दें। साईं पक्ष ने भी शिवसेना का हाथ थाम लिया है। राकांपा के गंगोत्री अकेले दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है जबकि विरोधी पक्ष में अब केवल उबाठा नेता बोडारे की स्थिति ही अपने वार्ड में मजबूत है। वहीं कांग्रेस, मनसे, प्रजा कृपा पार्टी अपने उम्मीदवार इस बार उतारेगी। निर्दलीय भी चुनाव में काफी देखने को मिल सकते हैं।

उल्हासनगर ट्रेन एसोसिएशन सुमित चक्रवर्ती के कल जन्मदिन पर शहर के गणमान्यों ने उन्हें बधाईयां दी। बधाई देते हुए महेश सुखरामानी, हीरो बोधा, विक्की इसरानी व राजेश अमरनानी नजर आ रहे हैं। श्री सुमित चक्रवर्ती के जन्मदिन पर हर साल उनके कार्यालय में सैकड़ों की संख्या में लोग बधाई देने आते हैं।

रंजीत गायकवाड़ का हत्यारा गिरफ्तार

- ■ दस दिन पूर्व हुआ था जानलेवा हमला
- ■ जेजे अस्पताल में उपचार के दौरान मौत
- ■ मुख्य आरोपी विक्की कोथनकर विट्ठलवाड़ी बस डिपो से गिरफ्तार

उल्हासनगर. 10 दिनों पूर्व उल्हासनगर 4 स्थित संभाजी चौक रोड पर दिनदहाड़े हुए हमले में घायल हुए वीर तानाजी नगर

निवासी रंजीत गायकवाड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी विक्की कोथनकर और उसके एक साथी ने रंजीत गायकवाड़ पर धारदार हथियार से हमला किया था। इस हमले में रंजीत के सिर पर गहरी चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। शुरुआती इलाज के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर उसे तुरंत मुंबई के जे. जे. हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे इलाज के दौरान रंजीत गायकवाड़ की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने तेजी से जांच शुरू की और मुख्य आरोपी विक्की कोथनकर को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम (CIT) के सदस्य रामदास मिसाल, दिलीप चव्हाण, गणेश राठौड़ और सागर मोरे की टीम ने डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन गोरे, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली और पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रहार गोडसे के मार्गदर्शन में विक्की कोथनकर को विट्ठलवाड़ी बस डिपो इलाके से गिरफ्तार किया। इस बीच, यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि क्या इस मामले में कोई और भी शामिल है और पुलिस ने कहा है कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

उमनपा प्रशासन को खरीदनी पड़ रही है मिट्टी

उल्हासनगर. जैसे-जैसे खेतीप्रधान देश के बड़े शहर सीमेंट कंक्रीट के जंगल बनते जा रहे हैं, लोगों के लिए मिट्टी खरीदने का समय आ गया है। उल्हासनगर में, जहाँ कोई गाँव तालुका नहीं है, लोगों के लिए किले बनाने और बगीचों और मैदानों में पेड़ लगाने के लिए मिट्टी खरीदने का समय आ गया है।

उल्हासनगर राज्य का ही नहीं, बल्कि देश का भी अकेला तालुका होगा, जिसमें एक भी गाँव शामिल नहीं है। इसलिए, बच्चों को स्कूल की किताबों से खेती की ज़मीन और किसानों के बारे में पढ़ाना होगा। चूँकि शहर में खेती की ज़मीन नहीं है, इसलिए लोगों और मनपा को अपनी मिट्टी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे शहरों से मिट्टी खरीदनी पड़ती है। इसलिए, मिट्टी की बनावट, क्वालिटी, गुण और रंग की स्टडी करने की कोई ज़रूरत नहीं है।

शहर की 70 परसेंट सड़कें सीमेंट कंक्रीट की और 30 परसेंट डामर की बनी हैं। शहर में मनपा के पार्क, नर्सरी, बगीचे, मैदान और घर के बगीचों के लिए लोगों के साथ मनपा को भी दूसरे शहरों से मिट्टी खरीदनी पड़ती है। मनपा अधिकारियों ने बताया कि डिवाइडर और पार्क में पेड़ लगाने के लिए मिट्टी खरीदी गई है। शहर की सीमा और तालुका में गांवों और खेती की कमी के कारण मिट्टी की कमी है। शहरी विकास योजना बनाते समय नगर निगम ने झुग्गी-झोपड़ियों, खुले प्लॉट, पार्क, मैदान वगैरह को ग्रीन ज़ोन में शामिल किया है। कैंप नंबर 5, गायकवाड़ पाड़ा, कैलास कॉलोनी वगैरह में कुछ खेती होती थी। लेकिन, समय के साथ उन जगहों पर ऊंची इमारतें बन गई हैं।

चुनाव प्रचार व रैलियों के लिए नई रणनीति

- ■ नेताओं की तारीखें और मैदानों के लिए भागदौड़

अंबरनाथ. पिछले कुछ दिनों से शांत पड़ा अंबरनाथ मनपा चुनाव प्रचार फिर से नए जोश के साथ शुरू होने वाला है। शिवसेना और BJP अगले 10 दिनों के प्रचार में मुख्यमंत्री, स्टार प्रचारकों और दिग्गज नेताओं के साथ हिंदी-मराठी कलाकारों की रैलियों और रैलियों की प्लानिंग कर रही हैं। इसके लिए दोनों पार्टियों के पदाधिकारी शहर में नेताओं की तारीखें और स्ट्रैटेजिक मैदान पाने की दौड़ में लगे हैं।

जब अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव का प्रचार अपने आखिरी स्टेज में था और वोटिंग के लिए सिर्फ दो दिन बचे थे, तो उम्मीदवारों के कानूनी एक्शन के कारण राज्य चुनाव आयोग के आदेश के बाद चुनाव 20 दिनों के लिए टाल दिया गया था। इसके कारण सभी राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों में निराशा थी और पिछले कुछ दिनों से शहर में शांति थी।

हालांकि, अब जब असल प्रचार के लिए नौ दिन बचे हैं, तो यह फिर से शुरू हो गया है। इसमें शिवसेना और BJP प्रचार के आखिरी स्टेज में दिग्गजों की रैलियों और रैलियों की प्लानिंग कर रही हैं। हालांकि डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने अंबरनाथ में शिवसेना के लिए तीन पब्लिक मीटिंग कीं, लेकिन चीफ मिनिस्टर देवेंद्र फडणवीस BJP कैंडिडेट्स के लिए एक भी मीटिंग नहीं कर पाए।

अब बढ़े हुए समय का फायदा उठाते हुए, चीफ मिनिस्टर समेत BJP कैंडिडेट्स, दूसरे स्टार कैंपेनर्स और फिल्म एक्टर्स के लिए मीटिंग्स और रैलियां ऑर्गनाइज़ करने की स्ट्रेटेजी बनाई गई है। शिवसेना भी सीनियर लीडर्स को कैंपेन के लिए उतारने की तैयारी कर रही है। इसके लिए, वोटर्स को प्रभावित करने के लिए फिल्म एक्टर्स की मीटिंग्स, रैलियों और शहर में स्ट्रेटेजिक ग्राउंड्स के लिए परमिट की प्लानिंग चल रही है।

गड्ढों से होने वाले एक्सीडेंट रोकने के लिए कमेटी

उल्हासनगर. हाई कोर्ट के निर्देश पर, सड़कों पर गड्ढों से होने वाले एक्सीडेंट और शिकायतों को समय पर हल करने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एक कमेटी बनाई गई। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले कमेटी की चेयरपर्सन होंगी, जबकि एडिशनल कमिश्नर सेक्रेटरी होंगे। कमेटी में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर, सिटी इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट के अधिकारी और लीगल ऑफिसर शामिल हैं।

अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव

18 दिन आगे किए जाने का जिम्मेदार कौन?

- ■ 18 दिनों का करोड़ों रुपयों का खर्च कौन देगा?
- ■ उम्मीदवारों को न्याय कौन दिलाएगा?

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के साथ ही राज्य के 22 नगर पालिका के चुनाव 2 दिसंबर के बजाय 20 दिसंबर को होंगे, ऐसी घोषणा चुनाव आयोग द्वारा किए जाने के बाद ये प्रश्न उठाया जा रहा है कि 18 दिनों का चुनाव आयोग को करोड़ों रुपयों का खर्च कौन बर्दाश्त करेगा?

शहर के महात्मा गांधी विद्यालय में नवंबर में बनाए गए ईवीएम मशीन स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्र, स्कूल के समक्ष बड़ा मंडप, कुर्सियां, लाइट, पंखे आदि 18 दिन के लिए ऐसे ही रखे गए हैं. ठेकेदार को रोजाना लाखों रुपए अदा किए जा रहे हैं. ऐसे ही अन्य 22 नगर परिषद के करोड़ों रुपयों का खर्च 18 दिन के लिए बढ़ गया है. क्या चुनाव आयोग के अधिकारी अपनी जेब से ये खर्च अदा करेंगे? या सरकारी तिजोरी से दिए जा रहे हैं. लाजमी है ये सब खर्च जनता के पैसों से किया जा रहा है. चुनाव आयोग को 18 दिन आगे करने का जिम्मेदार चुनाव आयोग है. जिसकी सजा उम्मीदवार भी भुगत रहे हैं. कई उम्मीदवार तो खर्च को लेकर डिप्रेशन में आ गए हैं. पहले से ही कंगाल उम्मीदवार और रकम कहां से लाएंगे? 200 से ज्यादा नगर परिषद में 2 दिसंबर को चुनाव संपन्न हो गए हैं. ईवीएम मशीनों को 18 दिनों से स्ट्रांग रूम में रखकर 18 दिनों से सुरक्षा की जा रही है. 21 को मतगणना है. सुरक्षा के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, इसका जिम्मेदार लाजमी तौर पर चुनाव आयोग है, जिसकी फटकार न्यायालय एवं सीएम चुनाव आयोग को कर चुके हैं. इन जिम्मेदार चुनाव अधिकारियों को पद से कौन हटाएगा? जनता उम्मीदवारों को न्याय कौन दिलाएगा, ऐसा रोष लोग और उम्मीदवार व्यक्त कर रहे हैं.

सिक्योरिटी गार्डों ने 5.87 लाख रुपये चुराए

उल्हासनगर. नेवाली पाड़ा में ऊर्जा मार्ग लिमिटेड के टावर से सिक्योरिटी गार्ड ने सामान चुरा लिया। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में दो सिक्योरिटी गार्ड के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

उल्हासनगर में हिललाइन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में नेवाली पाड़ा ग्राम पंचायत के सामने ऊर्जा मार्ग लिमिटेड के टावर पार्ट्स और हार्डवेयर फिटिंग का सामान रखा हुआ था। सुनील मेटकर और भीमराव आत्राम इस सामान की निगरानी के लिए सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम कर रहे थे। 2 से 4 दिसंबर के बीच 5 लाख 87 हजार 154 रुपये का सामान चोरी हो गया। कंपनी के दीपक कुमार यादव को शक है कि यह सामान सिक्योरिटी गार्डों ने चुराया है।

उल्हासनगर को सिंघानिया स्कूल के रूप में मिली सबसे बड़ी सौगात

- ■ सिंघानिया स्कूल का भूमिपूजन समारोह संपन्न
- ■ स्कूल का एडमिशन प्रोसेस शुरू
- ■ ठाणे जिले में सिंघानिया स्कूल की नौवीं ब्रांच

उल्हासनगर. सुप्रसिद्ध एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन सिंघानिया स्कूल का उद्घाटन आज शुक्रवार 14 दिसंबर को उल्हासनगर कैंप-3 के विराट अंबे स्पोर्ट्स क्लब में बड़े जोश के साथ हुआ।

स्कूल का भूमिपूजन भाईसाहब सुखराज, विधायक कुमार आयलानी, पूर्व विधायक पप्पू कालानी, महेश सुखरामानी, जमनू पुरस्वानी, प्रकाश कुकरेजा, रेखा ठाकुर, संजय सिंह, जया साधवानी, आसन बालानी और कई गणमान्यों की उपस्थिति में किया गया। स्कूल मैनेजमेंट ने आए हुए मेहमानों का स्वागत किया।

सिंघानिया स्कूल का 55 साल का शानदार इतिहास है और यह अपनी हाई-क्वालिटी एजुकेशन के लिए जाना जाता है। यह ठाणे जिले में सिंघानिया स्कूल की नौवीं ब्रांच है, और यह नई ब्रांच उल्हासनगर और आस-पास के इलाकों के स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजुकेशन के नए मौके देगी। स्कूल का एडमिशन प्रोसेस सोमवार से शुरू हुआ और स्कूल का एकेडमिक ईयर ऑफिशियली जून 2026 से शुरू होगा। अभी जूनियर KG से क्लास IV तक की क्लास शुरू की गई हैं, और भविष्य में क्लास को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। भविष्य में, क्लास XII तक के स्टूडेंट्स को एजुकेशनल फैसिलिटी दी जाएंगी। सिंघानिया स्कूल स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट पर खास ध्यान देगा। एकेडमिक करिकुलम के साथ-साथ, अलग-अलग इनिशिएटिव, एक्टिविटी और स्किल-बेस्ड एजुकेशन पर फोकस किया जाएगा। स्कूल का मुख्य मकसद स्टूडेंट्स को भविष्य के लिए तैयार करना है, और कहा गया कि इसी तरह मॉडर्न और क्वालिटी एजुकेशन दी जाएगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

तंत्र मंत्र के नाम पर अपराध

आज के वैज्ञानिक दौर में भी समाज में अंधविश्वास की जड़ें इतने गहरे तक फैली हुई हैं कि कई बार लोग अपनी जान तक जोखिम में डाल देते हैं। कर्म और तर्क के सिद्धांत को कोने में रखकर कुछ लोग तंत्र-मंत्र और जादू-टोना का सहारा लेते हैं, जिसके अक्सर भयावह परिणाम सामने आते हैं। कभी तांत्रिक अनुष्ठान में किसी व्यक्ति की हत्या कर दी जाती है, तो कभी डायन कहकर सार्वजनिक तौर पर प्रताड़ना की हदें पार कर दी जाती हैं।

ऐसी ही एक घटना छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सामने आई है, जहां एक फार्म हाउस से तीन लोगों के शव बरामद किए गए हैं। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने आंशका जताई है कि पैसे दोगुने करने के लिए आयोजित एक तांत्रिक अनुष्ठान के दौरान इन लोगों की गला दबाकर हत्या की गई है।

सवाल है कि इस तरह का अंधविश्वास फैलाने और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या शासन-प्रशासन का दायित्व अपराध से पहले ही उसके पैरों को कुचल देने का नहीं है? तंत्र-मंत्र जैसे अंधविश्वास के नाम पर हत्या कर देने या प्रताड़ित करने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इस तरह की अवैज्ञानिक धारणा में कुछ लोग तो इतने हताश हो जाते हैं कि आत्महत्या तक कर लेते हैं।

वर्ष 2018 में दिल्ली के बुराड़ी में एक परिवार द्वारा सामूहिक रूप से आत्महत्या कर लेने की घटना को आज भी एक उदाहरण के तौर पर देखा जाता है, जिसमें अंधविश्वास का ही मामला सामने आया था। तांत्रिक विद्या का इतना बड़ा प्रभाव क्षेत्र है कि उच्च शिक्षित वर्ग के लोग भी भ्रम के इस जाल में फंस जाते हैं।

ऐसे में जरूरी है कि तंत्र-मंत्र के बल पर अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने की बजाय समाज में कुशल, प्रगतिशील और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जाए। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि आज हर शहर, कस्बों और गांवों में तांत्रिकों ने अपने अडडे बना रखे हैं, जो लोगों को अंधविश्वास के अंधेरे में धकेल रहे हैं। इसी तरह की गतिविधियां अपराध को भी जन्म देती हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए सरकार और प्रशासन को कड़े कदम उठाने होंगे।

भारतीय ज्ञान की रोशनी में लिखा जाएगा भविष्य

वर्ष 1835 में जब थामस बैबिंगटन मैकाले ने अपना प्रसिद्ध 'मिनट आन एजुकेशन' लिखा, तब शायद उसे भी अनुमान नहीं था कि इसकी कुछ पंक्तियां सदियों तक भारत की शिक्षा-संरचना, भाषा-विचार और मानसिकता को इस गहराई तक प्रभावित करेंगी, लेकिन हुआ यही। एक छोटे से नोट ने भारत की विशाल और बहुभाषी शिक्षा परंपरा को झकझोर कर रख दिया। ब्रिटिश शासन से पहले भारत में शिक्षा स्वाभाविक, स्थानीय और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई थी। गुरुकुल, पाठशालाएं, गुरु-शिष्य परंपरा, वैदिक-गणित, खगोलशास्त्र, चिकित्सा, तर्क-शास्त्र-सब भारतीय भाषाओं में पनपे।

बच्चा अपनी भाषा में सोचता था, सीखता था और जीवन-ज्ञान अर्जित करता था। ज्ञान केवल पुस्तकों एवं पांडुलिपियों तक सीमित नहीं था, यह जीवन और संस्कृति का हिस्सा था। ईस्ट इंडिया कंपनी शुरू में शिक्षा में रुचि नहीं रखती थी, परंतु धीरे-धीरे अंग्रेजों को यह समझ आया कि भारत जैसा विशाल देश केवल ताकत से नहीं, बल्कि शिक्षा एवं संस्कृति को बदलकर ही चलाया जा सकता है। यहीं से शुरू हुई भारतीय समाज को अंग्रेजी भाषा और पश्चिमी सोच के दायरे में ढालने की नीति। मैकाले ने साफ लिखा कि पश्चिमी साहित्य और विज्ञान सर्वोच्च हैं और भारतीय ग्रंथ-परंपराएं 'कमतर'।

इसमें कहा गया कि सरकार का लक्ष्य ऐसा वर्ग तैयार करना होना चाहिए 'जो रक्त और रंग से भारतीय हो, किंतु विचारों और

रुचियों से अंग्रेज।' अंग्रेज जानते थे कि स्थानीय भाषाओं में दी गई शिक्षा भारतीय समाज को एकजुट रखती है। इसलिए अंग्रेजी को आधुनिक और श्रेष्ठ घोषित किया गया तथा भारतीय भाषाओं को धीरे-धीरे प्रशासन, न्यायपालिका और उच्च शिक्षा से दूर किया गया। अंग्रेजी उच्च शिक्षा की एकमात्र सीढ़ी बन गई और भारतीय भाषाएं केवल 'घर-परिवार की भाषा' कहकर पीछे धकेल दी गईं।

देश स्वतंत्र हुआ पर जिस शिक्षा व्यवस्था को हमने विरासत में पाया, वह पूरी तरह ब्रिटिश माडल पर आधारित थी। नीति-निर्माता स्वयं उसी औपनिवेशिक ढांचे में पढ़कर आए थे। कई लोग इंग्लैंड, यूरोप या भारत के अंग्रेजी माडल वाले विश्वविद्यालयों के उत्पाद थे। इस कारण, स्वतंत्रता के बाद शिक्षा सुधार की दिशा तो बदली, पर संरचना और विचार वही रहे। यह प्रभाव इतना गहरा था कि आज भी कई परिवार अंग्रेजी माध्यम को 'बेहतर जीवन' का प्रतीक मानते हैं। स्वतंत्रता के बाद बड़े आयोग बने-पर दृष्टिकोण यूरोपीय माडल का ही रहा।

यह सिलसिला 1948 की राधाकृष्णन समिति, 1964-66 के कोठारी आयोग, 1968 और 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियां और 2005 में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग तक चलता रहा। इन सबके द्वारा शिक्षा में कुछ सुधार तो किया गया, पर ढांचा वही रहा- परीक्षा-केंद्रित, अंग्रेजी-प्रधान और पश्चिमी अकादमिक संरचना की नकल करने वाली शिक्षा। स्वतंत्रता के बाद स्थापित कई विश्वविद्यालय, जिनमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं भी शामिल हैं, ने ब्रिटिश और यूरोपीय विश्वविद्यालय माडल से आकार पाए।

कुछ भारतीय भाषाएं यहां भी 'अध्ययन का विषय' तो बन सकीं, पर 'ज्ञान की भाषा' नहीं। अंग्रेजी आधारित शिक्षा के कारण भारतीय भाषाएं, विशेषतः संस्कृत, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं, धीरे-धीरे उच्च शिक्षा में निम्नतम स्तर पर चलती चली गईं। 1991 के बाद शिक्षा में निजी क्षेत्र के प्रवेश ने अंग्रेजी शिक्षा को और तेजी से बढ़ावा दिया। निजी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम को प्रतिष्ठा का प्रतीक बनाया गया। सरकारी स्कूल भारतीय भाषाओं तक सीमित हो गए। यह वही मानसिकता है जिसकी जड़ें मैकाले की नीति में थीं।

नई शिक्षा नीति 2020 पहली नीति है जिसने कहा कि भारतीय भाषाएं शिक्षा की मूल भाषा हों, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा मिले, भारत का ज्ञान-दर्शन, कला, गणित, साहित्य मुख्य धारा में आए, शिक्षा कौशल और समझ पर आधारित हो, न कि रटने पर। इसमें सामने आया 5+3+3+4 का नया ढांचा, जो भारतीय बचपन, सीखने की प्रकृति और भाषा-मनोविज्ञान से मेल खाता है।

जितना अधिक हम ध्यानाभ्यास करेंगे, उतने ही अधिक शांत भाव के साथ हम दैनिक चुनौतियों का सामना कर पाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मशीन पर निर्भरता हो सकती है घातक

कोई भी तकनीक अगर मनुष्य के लिए सहयोगी की भूमिका में है, तो वह बेशक फायदेमंद हो सकता है, लेकिन वह अगर निर्भरता का मामला बनता है तो उसके घातक नतीजे भी सामने आ सकते हैं। इस लिहाज से देखें तो समूची दुनिया में इंटरनेट के तेजी से विस्तार के साथ मनुष्य को अपने जीवन के विविध पक्षों के लिए बहुस्तरीय सुविधाएं मिली हैं, लेकिन इसके नए स्वरूप ने कुछ ऐसी स्थितियां भी पैदा की हैं, जिससे पार पाना अब एक अहम चुनौती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के अलग-अलग मंचों ने आज हरेक विषय पर जानकारी हासिल करने से लेकर कई स्तर पर अपनी उपयोगिता की वजह से व्यापक जगह बना ली है।

इसी क्रम में एक पहलू इस तकनीक के साथ संवाद भी है, जहां किसी व्यक्ति के अमूमन हर तरह के सवाल का जवाब मिल सकता है। यह अलग बात है कि उसके सही या गलत होने की परख के लिए इंसान को अपने विवेक को सजग रखना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की इस खासियत का प्रचार-प्रसार तो बहुत हुआ, लेकिन इसकी सीमाओं के बारे में ज्यादातर लोगों के पास ठोस जानकारी और उसके उपयोग के लिए उचित प्रशिक्षण नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि कई बार लोग और खासतौर पर बच्चे एआइ के साथ संवाद

के क्रम में उलझ जाते हैं या फिर भ्रम का शिकार होकर कोई प्रतिगामी कदम भी उठा लेते हैं। कोई आनलाइन गेम खेलते हुए बच्चों के आत्महत्या कर लेने की खबरें पहले भी आती रही हैं, लेकिन अब कुछ मामलों में एआइ से संवाद को हत्या तक के लिए जिम्मेदार बताया जाने लगा है।

गौरतलब है कि अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को के कनेक्टिकट में एक तिरासी वर्ष की बुजुर्ग महिला के परिजनों ने हत्या और आत्महत्या के मामले में चैटजीपीटी की भूमिका को लेकर ओपनएआइ और माइक्रोसाफ्ट के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है। इसमें यह आरोप लगाया गया है कि एआइ वाले चैटबाट ने बेटे के मन में अपनी मां के बारे में भ्रम और संदेह को इतना बढ़ाया कि उसने मां की हत्या करके आत्महत्या कर ली।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस एआइ ने हत्या करने वाले व्यक्ति के मन में सबके साथ-साथ अपनी मां के प्रति भी केवल शक और आशंका भर दी। उसे चैटजीपीटी को छोड़ कर अन्य किसी की भी बात पर विश्वास नहीं रहा। इस तरह की अनेक घटनाएं यही दर्शाती हैं कि हर बात या काम के लिए एआइ या आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता कैसे इंसान की संवेदना, उसके आत्मविश्वास और यहां तक कि विवेक को निष्क्रिय कर दे सकती है, जिसके बाद व्यक्ति अपनी सोच-समझ से कोई भी प्रतिक्रिया दे सकने में अक्षम हो जाता है। आज अपने आसपास देखा जा सकता है कि लोग आधुनिक तकनीक को जरूरत से ज्यादा अहमियत देने, उसमें लीन रहने के क्रम में कैसे मानवीयता और संवेदना के मूल्यों को कोई पिछड़ा या दोयम दर्जे का मूल्य मानने लगे हैं।

ऐसी स्थिति में कई बार एक शख्स किसी अन्य व्यक्ति की बातों को संदेह की नजर से देखता है या फिर उसे अधूरा मानता है, लेकिन समान संदर्भ में वह एआइ की बातों को अधिक विश्वसनीय और शक से परे मानता है। जबकि एआइ की सीमा उसका मशीनी होना है, जिसकी तुलना मनुष्य की चेतना और उसके विवेक के साथ नहीं की जा सकती। एक बड़े दायरे में एआइ की भूमिका जरूर बढ़ रही है, लेकिन अभी यह जिस अवस्था में है, उसमें इस पर पूरी तरह निर्भरता के अपने खतरे हैं।

5800 ईसा पूर्व का वो रहस्य जो पानी में डूबा था!

जरा हट के

फ्रांस के पश्चिमी तट के पास समुद्र के नीचे एक हैरान करने वाली खोज सामने आई है. यहां गोताखोरों को एक लंबी पत्थर की दीवार और उसके आसपास कई दूसरी इंसानी बनाई हुई संरचनाएं मिली हैं. वैज्ञानिकों के मुताबिक ये ढांचे करीब 7 हजार साल पुराने हैं. यह खोज ब्रिटनी इलाके के इल दे सेन द्वीप के पास हुई है. सबसे बड़ी दीवार लगभग 120 मीटर लंबी है और इसके आसपास उसी समय की करीब 12 छोटी संरचनाएं भी पाई गई हैं. इस कहानी की शुरुआत साल 2017 से होती है. रिटायर्ड भूवैज्ञानिक इव्स फूके समुद्र की सतह के नीचे बने नक्शों को देख रहे थे. ये नक्शे लेजर तकनीक से तैयार किए गए थे. इन्हीं नक्शों में उन्हें कुछ ऐसी आकृतियां दिखीं जो कुदरती नहीं लग रही थीं. इसके बाद वैज्ञानिकों की टीम ने इस जगह पर गहराई से काम शुरू किया.

साल 2022 से लेकर 2024 तक गोताखोरों ने कई बार समुद्र में उतरकर इस इलाके की जांच की. जांच के बाद साफ हो गया कि ये ढांचे ग्रेनाइट पत्थरों से बनाए गए हैं और इन्हें इंसानों ने ही बनाया था.

वैज्ञानिकों के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इतने मुश्किल समुद्री माहौल के बावजूद ये संरचनाएं काफी हद तक सुरक्षित मिलीं. समुद्र की तेज धाराएं और खारा पानी आमतौर पर पत्थरों को भी नुकसान पहुंचा देते हैं. इसके बावजूद इन ढांचों का इतने अच्छे हाल में मिलना पुरातत्व विशेषज्ञों के लिए बड़ी बात है.

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ब्रिटनी के पुरातत्व प्रोफेसर इवान पायेर का कहना है कि यह खोज अंडरवॉटर आर्कियोलॉजी के लिए नए रास्ते खोलती है. इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि हजारों साल पहले समुद्र के किनारे रहने वाले लोग किस तरह का जीवन जीते थे.

शोध के मुताबिक ये संरचनाएं करीब 5800 से 5300 ईसा पूर्व के बीच बनाई गई थीं. आज ये समुद्र की सतह से करीब 9 मीटर नीचे हैं. लेकिन जब इन्हें बनाया गया था, तब समुद्र का पानी आज की तुलना में काफी नीचे था. उस दौर में यह इलाका शायद समुद्र का किनारा रहा होगा, जहां लोग रहते और काम करते थे.

'चॉको चिप्स कुकीज'

सामग्री

- 1 कप (225 ग्राम) अनसाल्टेड बटर (मक्खन)
- ¾ कप (150 ग्राम) दानेदार चीनी
- ¾ कप (165 ग्राम) ब्राउन शुगर
- 2 बड़े अंडे
- 1 छोटा चम्मच वैनिला एक्सट्रेक्ट
- 2¼ कप (270 ग्राम) मैदा
- 1 छोटा चम्मच बेकिंग सोडा
- ½ छोटा चम्मच नमक
- 2 कप (लगभग 340 ग्राम) सेमी-स्वीट चॉको चिप्स

बनाने की विधि

सबसे पहले ओवन को 375°F (190°C) पर प्रीहीट करें और बेकिंग ट्रे पर पार्चमेंट पेपर या सिलिकॉन मैट बिछा दें। अब एक बड़े कटोरे में, नरम किए हुए बटर, दानेदार चीनी, और ब्राउन शुगर को इलेक्ट्रिक मिक्सर या हाथ से तब तक फेंटें जब तक कि वह हल्का और मलाईदार न हो जाए।

इसके बाद एक-एक करके अंडे डालें और हर बार डालने के बाद अच्छी तरह फेंटें। जब अंडे अच्छी तरह मिल जाएं, तो बैटर में वैनिला

एक्सट्रेक्ट मिलाएं।

अब एक अलग कटोरे में, मैदा, बेकिंग सोडा, और नमक को एक साथ मिलाएं। सूखी सामग्री को धीरे-धीरे गीली सामग्री के मिश्रण में मिलाएं। तब तक मिक्स करें जब तक वे अच्छी तरह मिल न जाएं। इसके बाद चॉको चिप्स को आटे में मिलाएं। अब आटे को गोल करके, लगभग 1.5 से 2 बड़े चम्मच की छोटी-छोटी गेंदें बनाएं। उन्हें तैयार बेकिंग शीट पर लगभग 2 इंच की दूरी पर रखें।

ओवन में 9 से 12 मिनट तक बेक करें, या जब तक किनारे हल्के सुनहरे न हो जाएं। ध्यान रखें कि कुकीज को ओवन से निकालते समय बीच में थोड़ा नरम रहना चाहिए, वे बाहर आने पर सेट हो जाएंगी। बेकिंग शीट पर कुकीज को 5 मिनट के लिए ठंडा होने दें।

सिर्फ ब्रश करके खुश न हों!

आपकी गलतियां चुपके से खोखला कर रही हैं दांत, आज ही अपनाएं ये आदतें

हमारी मुस्कान केवल चेहरे की खूबसूरती ही नहीं बढ़ाती, बल्कि आत्मविश्वास और पर्सनैलिटी को भी निखारती है। दांत अगर स्वस्थ और मजबूत हों तो खाना चबाना, बोलना और डाइजेशन सब आसान हो जाते हैं। लेकिन लापरवाही बरतने से कैविटी, मसूड़ों की सूजन, दांतों का कमजोर होना या पीला पड़ना जैसी कई ओरल प्रॉब्लम्स जल्दी घेर लेती हैं।
लेकिन ये भी सच है कि दांतों की सही देखभाल केवल ब्रश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हमारी डेली की कई छोटी-छोटी आदतें अहम भूमिका निभाती हैं। आइए जानते हैं ऐसी कुछ हेल्दी हैबिट्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप जीवनभर अपने दांतों को हेल्दी रख सकते हैं–

■ दिन में दो बार ब्रश करें

सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले ब्रश करना जरूरी है। रात को दांत साफ किए बिना सोना बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है और कैविटी की संभावना बढ़ाता है।

■ सही तकनीक अपनाएं

ब्रश करते समय धीरे-धीरे गोलाकार मूवमेंट में 2–3 मिनट तक साफ करें। तेजी से ब्रश करना या हार्ड ब्रश इस्तेमाल करना दांतों की इनेमल और मसूड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है।

■ डेली फ्लॉस करें

फ्लॉसिंग से दांतों के बीच फंसी गंदगी और प्लाक निकल जाता है,

जिसे ब्रशिंग अकेले साफ नहीं कर पाती। यह मसूड़ों की सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

■ माउथवॉश का इस्तेमाल

एंटीबैक्टीरियल माउथवॉश बैक्टीरिया को खत्म करता है और सांसों को ताजा रखता है। खासकर उन लोगों के लिए जरूरी है जिन्हें मुंह की बदबू की प्रॉब्लम रहती है।

■ शुगर का सेवन सीमित करें

ज्यादा मीठा खाने से दांतों पर बैक्टीरिया की परत जम जाती है, जो एसिड बनाकर दांतों को कमजोर करती है। कोल्ड ड्रिंक्स और कैंडीज से दूरी बनाए रखें।

■ पोषक तत्वों से भरपूर डायट का सेवन करें

कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन डी दांतों के लिए जरूरी हैं। दूध, दही, पनीर, बादाम, हरी सब्जियां और तिल इनके अच्छे स्रोत हैं।

■ पर्याप्त पानी पिएं

खाना खाने के बाद पानी पीने से दांतों में फंसे कण निकल जाते हैं और मुंह का पीएच बैलेंस बना रहता है। पानी लार को भी एक्टिव रखता है, जो नेचुरल क्लींजर का काम करती है।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

मिथुन : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क : व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

तुला : व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक : कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है।

धनु : आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। कार्यों में विलंब होगा।

मकर : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा।

कुंभ : सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शत्रु परास्त होंगे। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कंप्यूटर जैसा तेज दिमाग चाहिए?

■ डाइट में शामिल करें ये 5 सुपरफूड्स, ■ याददाश्त होगी मजबूत

हमारा दिमाग हमारे पूरे शरीर को कंट्रोल करता है और हमेशा एक्टिव रहता है। ऐसे में इसका खास ख्याल रखना जरूरी है। हालांकि, आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दिमाग को स्वस्थ और तेज रखना बहुत जरूरी है।

अच्छी खबर यह है कि हमारी डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके हम अपने दिमाग की काम करने की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, याददाश्त को मजबूत कर सकते हैं और फोकस में सुधार ला सकते हैं। आइए जानते हैं दिमाग को तेज बनाने के लिए 5 फूड्स (Foods for Sharp Brain) के बारे में।

■ अखरोट

अखरोट को दिमाग के लिए सबसे फायदेमंद ड्राई फ्रूट माना जाता है। इसका आकार भी दिमाग जैसा होता है। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-ई और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग के सेल्स के विकास

और फंक्शन के लिए काफी जरूरी है। नियमित रूप से 2-3 अखरोट खाने से याददाश्त तेज होती है, तनाव कम होता है और दिमाग स्वस्थ रहता है।

■ हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी है। करक्यूमिन सूजन से बचाव करने में मददगार है, याददाश्त बढ़ाता है और दिमाग में नए सेल्स के विकास को प्रोत्साहित करता है।

■ ब्लूबेरी

ब्लूबेरी को ब्रेन बेरी भी कहा जाता है, क्योंकि यह दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें एंथोसायनिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो दिमाग के सेल्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है और उम्र के साथ होने वाली याददाश्त की कमी को धीमा करता है। ब्लूबेरी सीखने की क्षमता और कॉग्नीटिव फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करती है।

■ हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, ब्रोकोली, केल और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन-के, ल्यूटिन, फोलेट और बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। विटामिन-के दिमाग के सेल्स के विकास में मदद करता है और याददाश्त को तेज बनाता है। इन सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिमाग को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाते हैं।

■ डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में कोको फ्लेवोनोल्स, कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो दिमाग के लिए फायदेमंद हैं। ये दिमाग में ब्लड फ्लो को बढ़ाते हैं, जिससे याददाश्त, फोकस और सीखने की क्षमता में सुधार होता है। डार्क चॉकलेट मूड को बेहतर बनाने वाले हार्मोन्स के सीक्रेशन को भी बढ़ाते हैं। 70% या ज्यादा कोको वाली डार्क चॉकलेट सीमित मात्रा में खाना दिमागी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

सर्दी-जुकाम से नाक बंद?

■ ये 5 असरदार नुस्खे दिलाएंगे फौरन राहत

सर्दी बढ़ते ही जुकाम और बंद नाक की समस्या आम हो जाती है. ग्रामीण इलाकों में तो ठंडी हवा, धूल और बदलता मौसम लोगों की सांस को परेशान करना शुरू कर देता है. ऐसे में दवाइयों के साथ-साथ पारंपरिक बघेलखंडी नुस्खे भी राहत देने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो पीढ़ियों से आजमाए जाते रहे हैं.

सतना के औषधीय विशेषज्ञ विष्णु तिवारी बताते हैं कि हमारे आसपास मौजूद कई ऐसे पौधे हैं, जो सर्दी-जुकाम में रामबाण का काम करते हैं. कुछ नुस्खे न सिर्फ सुरक्षित हैं बल्कि श्वसन मार्ग की सूजन कम कर बलगम निकालने में भी मदद करते हैं, जिससे बंद नाक खुल जाती है.

तुलसी को आयुर्वेद में अमृत समान माना गया है. सर्दी में तुलसी के पत्तों का काढ़ा पीने या शहद के साथ सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. इसके औषधीय तत्व गले की खराश कम करते हैं और बंद नाक खोलने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं.

अदरक में मौजूद सूजन रोधी गुण सर्दी जुकाम में बेहद लाभकारी होते हैं. अदरक की चाय या शहद के साथ अदरक का सेवन करने से गले

की जलन कम होती है. यह कफ को पतला कर सांस की नली को साफ करने में मदद करता है, जिससे जल्द राहत मिलती है.

अजवाइन का उपयोग लंबे समय से किया जाता रहा है. तवे पर अजवाइन भूनकर उसकी पोटली बनाकर सूंघने से नाक तुरंत खुलने लगती है. इसमें मौजूद कार्वाक्रोल तत्व श्वसन मार्ग की सूजन घटाकर कफ को बाहर निकालने में सहायक होता है.

नीलगिरी यानी यूकेलिप्टस का तेल बंद नाक में तुरंत असर दिखाता है. गर्म पानी में इसकी कुछ बूंदें डालकर भाप लेने से सांस की नली खुलती है. इसकी तेज खुशबू कफ को ढीला करती है और सर्दी के कारण जमी रुकावट को दूर करती है.

पिप्पली या छोटी पीपल आयुर्वेद में खास स्थान रखती है. इसे शहद और काली मिर्च के साथ लेने या काढ़े में उपयोग करने से कफ जल्दी बाहर निकलता है. यह फेफड़ों को मजबूत बनाती है और बंद नाक की समस्या में असरदार मानी जाती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां के पास सोए 10 माह के बच्चे का अपहरण

फरीदपुर. यूपी के फरीदपुर में मां के पास सो रहे 10 माह के बच्चे के अपहरण की घटना सामने आई है। मां की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर बच्चे के अपहरण का आरोप लगाया है। फरीदपुर के रेशम बाग कॉलोनी निवासी रूपराम प्लाइवुड फैक्ट्री में काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक शनिवार रात रूपराम और उनकी पत्नी अनीता देवी घर में सोए हुए थे। अनीता के पास उनका 10 माह का बेटा कुश भी सो रहा था। अनीता के अनुसार सुबह करीब चार बजे उसकी आंख खुली तो कुश उनके पास से गायब था। महिला ने शोर मचाते हुए पति को उठाया। दंपति ने पूरी कॉलोनी में बच्चे को तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद दोनों थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने अपहरण के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है।

दो गाड़ियों की रेस ने ली बुजुर्ग की जान

बिजनौर. यूपी के बिजनौर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां धामपुर कस्बे के सुभाष चौक पर तेज रफ्तार दो गाड़ियों के बीच चल रही रेस एक बुजुर्ग की जान ले गई। ईवनिंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित कार पास में खड़ी अनुबंधित रोडवेज बस से जा भिड़ी। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। मुख्य डाकघर रोड स्थित पुरानी तहसील के पास रहने वाले 75 वर्षीय सतपाल सिंह रोजाना की तरह खाना खाने के बाद शाम की सैर पर निकले थे। जब वे सुभाष चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार थार और एक कार के बीच रेस चल रही थी। इसी दौरान कार चालक ने सतपाल सिंह को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।

बहनोई का कत्ल कर नहर में फेंकी लाश

कौशांबी. यूपी के कौशांबी में एक युवक की हत्याकर लाश बोरे में भरकर फेंक दी गई। आरोप है कि साले ने ही अपने दो साथियों के साथ मिलकर सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। रविवार सुबह मवई गांव स्थित सूखी नहर में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सरायअकिल थाना क्षेत्र के ककरहाई मजरा कूरा बसुहार निवासी 30 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र धर्मपाल सऊदी अरब में वेल्डिंग का काम करता था। करीब तीन महीने पहले वह घर आया था। पिता ने बताया कि शुक्रवार रात सुरेंद्र बाइक से निकला। काफी देर तक नहीं लौटा तो खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच रविवार सुबह मवई गांव स्थित सूखी नहर में उसकी बोरे में भरी लाश पड़ी मिली। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। इससे अनुमान लगाया गया कि किसी वजनी वस्तु से सिर कूंचकर हत्या की गई है। शव के पास ही युवक की बाइक भी पड़ी थी।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे पर जानलेवा हमला

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज में कौशाम्बी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और बसपा नेता राजेश कुशवाहा के बेटे अमित कुशवाहा पर शनिवार रात जानलेवा हमला किया गया। प्रीतमनगर में एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी में कुछ युवकों ने कहासुनी के बाद अमित की पिटाई की। आरोप है कि सरकारी गनर से भी मारपीट की गई। आरोपी पक्ष शहर के एक चर्चित परिवार के सदस्य बताए गए हैं। घटनास्थल पर धूमनगंज थाना पुलिस भी पहुंची। हालांकि घायल पक्ष की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार मामले में जानकारी मिली है कि अमित कुशवाहा शनिवार की रात अपने दोस्त के जन्मदिन की पार्टी में प्रीतमनगर स्थित एक वाटिका में गया था। जहां देर रात किसी बात को लेकर कुछ युवकों से कहासुनी हुई।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने नितिन नबीन

नई दिल्ली. बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रविवार को भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन ने सोमवार को पटना के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वो अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

नितिन नबीन की दो पीढ़ियों से रही है वैचारिक प्रतिबद्धता

भाजपा के एक नेता ने इस संबंध में बात करने पर कहा कि नितिन नबीन का संघ परिवार से पुराना नाता है। उनके पिता बिहार भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। परिवार विचारधारा के प्रति दो पीढ़ियों से समर्पित रहा है। यही वजह रही कि पीएम मोदी और अमित शाह ने जब उनका नाम आगे बढ़ाया तो आरएसएस भी उस पर सहमत हो गया। संघ परिवार की ओर से लगातार इस बात पर जोर था कि वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध नेता को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा पद मिले। इसके अलावा नई पीढ़ी के किसी नेता को मौका दिया जाए।

■ नितिन के नाम पर कैसे RSS भी हुआ राजी

बीते करीब डेढ़ सालों से राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर भाजपा और संघ नेतृत्व में रस्साकशी चल रही थी। ऐसे में अचानक से नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले ने सभी को चौंका दिया। उनका नाम दूर-दूर तक चर्चा में भी नहीं था। धर्मेंद्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर समेत कई नामों की चर्चा थी, लेकिन अंत में नितिन नबीन के नाम पर ही मुहर क्यों लगी।

कहा जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में नितिन नबीन को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। भाजपा में अंदरखाने और बाहर भी इसे लेकर चर्चा है कि आखिर नितिन नबीन पर आरएसएस कैसे सहमत हुआ। भाजपा और संघ दोनों ही कैसे इस मामले में एकमत हो गए।

■ नितिन नबीन को अध्यक्ष पद देकर हिंदी पट्टी को दिया सम्मान

बिहार से नितिन नबीन को अध्यक्ष पद देकर भाजपा ने हिंदी पट्टी में अपनी पैठ बनाए रखने की भी कोशिश की है। मौजूदा परिदृश्य में बिहार, यूपी, राजस्थान, एमपी जैसे हिंदी राज्य उसके लिए पावरहाउस बन चुके हैं। इसलिए यहीं से अध्यक्ष देना भाजपा के लिए मुफीद फैसला है। फिर नितिन नबीन साफ छवि के और बिना किसी विवाद में पड़े काम करने वाले नेता माने जाते हैं। उनकी उनकी इसी सादगी और चुपचाप काम में लगे रहने की छवि का फायदा मिला है।

कांग्रेस की रैली में 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' का नारा

- भाजपा बोली- मुगलों की राह पर कांग्रेस, जल्द दफन होंगे
- राहुल कर रहे औरंगजेब जैसा काम

नई दिल्ली. 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारों की वजह से कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली विवादों में आ गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली में जाते समय 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगाए। यह रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हुई।

बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, एक बार फिर कांग्रेस का चरित्र सामने आ गया है। वे मोदी जी की मौत की कामना कर रहे हैं। उनकी मुस्लिम लीग और माओवादी सोच सबके सामने आ गई। मोदी की कब्र खोदने की बात करने वाली पार्टी खुद दफन हो जाएगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का भी वही हाल होगा जो औरंगजेब के समय मुगलों का हुआ था।

'राहुल औरंगजेब की तरह परिवार की छठी पीढ़ी'

राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस का भविष्य शायद वैसा ही होने वाला है जैसा 'द लास्ट मुगल' किताब में मुगल साम्राज्य के बारे में लिखा गया है। मुगल साम्राज्य में छह लोगों ने शासन किया – बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब। छठी पीढ़ी के शासन के बाद मुगल साम्राज्य खत्म हो गया। इसी तरह कांग्रेस पर भी नेहरू परिवार के छह लोगों ने शासन किया है– मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी। राहुल गांधी छठे हैं जो अभी सत्ता का आनंद ले रहे हैं। इनके बाद कांग्रेस का भी मुगलों जैसा हश्र होगा।

प्रदूषण की मार, 5वीं तक के स्कूल बंद

दिल्ली. दिल्ली एनसीआर में पलूशन की मार पढ़ाई लिखाई पर भी पड़ रही है। पलूशन के कारण स्कूल प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंचने पर शिक्षा विभाग ने पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों बंद करने के आदेश दिए हैं। सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के छात्रों के लिए फिजिकल मोड में कक्षाएं अगली सूचना तक बंद रहेंगी। स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं चला सकते हैं। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राजधानी में प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंचने पर शिक्षा विभाग ने पांचवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूलों बंद करने के आदेश दिए हैं।

सिर्फ यहूदियों को मारना था, दूसरे लोगों से जाने को कहता...

सिडनी. ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बोंडी बीच पर कत्लेआम मचाने वाले पिता-पुत्र की जोड़ी ने 16 लोगों को मार डाला। इसके अलावा उनकी ओर से की गई ताबड़तोड़ फायरिंग में 40 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। यह हमला उस वक्त हुआ, जब यहूदी समुदाय के लोग हनुक्का सेलिब्रेशन में व्यस्त थे। इस हमले के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें लोग बीच पर दौड़ते नजर आते हैं और एक-एक कर सबको ये हमलावर निशाना बनाते हैं। दोनों ने ही काले रंग के कपड़े हुए थे और वे बीच पर ही स्थित एक ब्रिज पर खड़े होकर फायरिंग कर रहे थे। ब्रिज थोड़ा

ऊंचाई पर था, जिससे इन लोगों को हमला करने में आसानी हो रही थी।

यही नहीं इस हमले के दौरान कुछ और लोग जब उधर बढ़े तो वह उन लोगों को वहां से निकलने के लिए कह रहा था। इससे स्पष्ट है कि उनका इरादा सिर्फ यहूदियों को ही टारगेट करने का था। 50 साल के साजिद अकरम और उसके 24 साल के बेटे नवीद अकरम करीब 6 मिनट तक कसाई की तरह गोलियां बरसाते रहे। इस दौरान दोनों बेहद सहज थे और उन्हें किसी तरह का डर नहीं लग रहा था। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठा दिए हैं। इससे पहले भी अमेरिका समेत कई देशों में यहूदी समुदाय के लोगों पर हमले हो चुके हैं। इस हमले का एक वीडियो प्रत्यक्षदर्शी ने अपने मोबाइल से शूट किया था। इसमें दिखता है कि कैसे ये दोनों हमलावर बंदूकें उठाकर हमले करते हैं। साजिद अकरम इस बीच ब्रिज की सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए हमला करता है। उसका 24 साल का बेटा नवीद अपने पीछे और दाईं ओर खड़े लोगों की ओर मुड़कर उन्हें दूर जाने का इशारा करता है। फिर वह पार्क में भीड़ पर गोली चलाने के लिए वापस मुड़ता है। जवाबी फायरिंग करने वाली पुलिस ने साजिद अकरम को जल्द ही पुल पर वापस धकेल दिया। फिर उसे गोली लगी और वह ज़मीन पर गिर गया, लेकिन नवीद भीड़ पर गोलियां चलाता रहा।

फेस्टिवल मना रहे लोगों पर फायरिंग, 16 की मौत

- ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रविवार को बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले को लेकर पुलिस ने बताया है कि दोनों आतंकी बाप-बेटे हैं। इनके पाकिस्तानी मूल के होने का शक है।
- पुलिस के मुताबिक, हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। इनमें एक 10 साल की बच्ची और एक इजराइली नागरिक भी शामिल है। इसके अलावा 45 लोग घायल हैं।
- आतंकियों ने रविवार को बॉन्डी बीच पर हनुक्का फेस्टिवल मना रहे लोगों पर फायरिंग की थी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 50 के साजिद अकरम को मौके पर ही गोली मार दी, जिससे वो वहीं ढेर हो गया। वहीं, उसके साथ फायरिंग कर रहा उसका 24 साल का बेटा नवीद अकरम पुलिस की गोली से घायल हुआ, वह अस्पताल में गंभीर हालत में है।

30 से ज्यादा गाड़ियों की टक्कर, 4 की मौत

- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरे का कहर

फरीदाबाद/नूंह. दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

फरीदाबाद में सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बन गया। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। यहां पहली दुर्घटना में एक एंडेवर कार सड़क किनारे खड़े कैंटर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि एंडेवर में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

इसी स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

नूंह में भिड़े 30 वाहन

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लगभग 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसा राजस्थान से दिल्ली की तरफ जाते वक्त हुआ।

सूत्रों के अनुसार मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं।

प्रियंका गांधी से मिले प्रशांत किशोर, 3 साल बाद PK लेंगे यू-टर्न?

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव में मुंह की खाने के एक महीने बाद जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। खबर ये है कि उन्होंने हाल ही में कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की है। हालांकि दोनों पार्टियों के सूत्रों ने इस मुलाकात के महत्व को कम करके आंका है। प्रियंका गांधी ने भी संसद परिसर में इस मुलाकात पर पूछे गए सवाल का यह कहकर जवाब दिया कि ये भी कोई न्यूज है क्या?

बहरहाल, इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं।

बढ़ती मांग के बीच अंडे पर बवाल

कैंसर पैदा करने वाला तत्व होने का दावा, जांच के आदेश

बेंगलूरु. कर्नाटक सरकार ने सोशल मीडिया पर वायरल दावों की जांच करने का फैसला किया है, जिसमें एक खास ब्रांड के अंडों में कैंसर पैदा करने वाले जनोटॉक्सिक पदार्थ होने का आरोप लगाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने रविवार को कहा कि इन दावों की सत्यता साबित होने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से घबराने या भ्रम न फैलाने की अपील की और कहा कि अभी अंडे खाना बंद करने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि मामला गंभीरता से लिया जा रहा है।

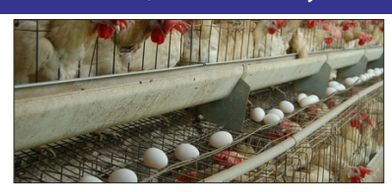

सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि एक ब्रांड के अंडों की लेबोरेटरी जांच में नाइट्रोफ्यूरान और नाइट्रोइमिडाजोल जैसे पदार्थ मिले, जो पोल्ट्री फार्मिंग में प्रतिबंधित हैं। दिनेश गुंडू राव ने कहा, 'सबसे पहले हमें पता लगाना होगा कि टेस्ट किसने कराया और क्या यह वैज्ञानिक रूप से सही था। मैं फूड सेफ्टी एंड ड्रग कमिश्नर से बात करूंगा और पूरी जानकारी इकट्ठा करूंगा। अगर दावों में सच्चाई है, खासकर कैंसर से जोड़कर तो निश्चित रूप से उचित कदम उठाए जाएंगे।' उन्होंने कहा कि जानकारी जुटाने के आधार पर आगे टेस्टिंग की जरूरत तय की जाएगी।

भारत पहली बार स्क्वॉश वर्ल्ड कप चैंपियन बना

- हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड

चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेले गए स्क्वॉश वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय मिक्स्ड टीम ने हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर इतिहास रच दिया।

यह मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में ब्रॉन्ज मेडल रहा था।

इस टूर्नामेंट में 12 टीमों ने शॉर्ट और फास्ट फॉर्मेट में हिस्सा लिया। भारत ने सेमीफाइनल में मजबूत मानी जाने वाली मिस्र की टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से अंत तक बना रहा।

जोशना चिनप्पा में जीत के साथ शुरुआत की

भारतीय टीम की अगुआई दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने की। फाइनल के पहले मुकाबले में जोशना ने हांगकांग की यी ली (वर्ल्ड नंबर-37) को 3-1 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को 3-0 से मात दी। निर्णायक मुकाबले में 17 साल की अनाहत सिंह ने टोमेटो हो को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम में जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह शामिल थे। मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री ने स्क्वॉश वर्ल्ड कप जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एसडीएटी स्क्वॉश वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार खिताब जीतकर भारतीय टीम ने इतिहास रचा है।
उन्होंने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की मेहनत, समर्पण और दृढ़ निश्चय की सराहना की और कहा कि यह जीत देश के युवाओं में स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

राममंदिर आंदोलन के प्रमुख स्तंभ डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

- आज अयोध्या में दी जाएगी जल समाधि

अयोध्या. अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन से प्रमुख रूप से जुड़े रहे भाजपा के पूर्व सांसद डॉ रामविलास वेदांती का निधन हो गया है। पिछले कई दिनों से तबीयत खराब होने के बाद उनका इलाज मध्यप्रदेश में रीवा के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में चल रहा था। इसी बीच सोमवार की दोपहर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा है। यहां मंगलवार को सरयू में जल समाधि दी जाएगी। सीएम योगी समेत तमाम नेताओं ने वेदांती के निधन पर गहरा दुख जताया है।

67 वर्षीय रामविलास पिछले दो दिनों से राम कथा के लिए मध्य प्रदेश के रीवा में प्रवास कर रहे थे। रविवार को उन्हें यूरिन पास न होने की दिक्कत हुई। दिक्कत के बाद संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को उनके बीमार होने की जानकारी मिली तो एयरलिफ्ट करके भोपाल जाने की व्यवस्था कराई, लेकिन विजिबिलिटी कम होने के चलते विमान भोपाल में उतर नहीं पाया। इसकी वजह से वापस रीवा में ही भर्ती करना पड़ा। इस बीच मध्य रात्रि को उन्हें हार्ट अटैक आया। सोमवार की सुबह दोबारा हार्ट अटैक की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अस्पताल प्रबंधन से उनकी सेहत की जानकारी ली।

उन्हें एयरलिफ्ट कर मेदांता ले जाए जाने की तैयारी चल रही थी। लेकिन डॉक्टरों ने फिलहाल एयरलिफ्ट करने की इजाजत नहीं दी। मेदांता के चिकित्सकों से चर्चा के बाद उन्हें स्टेबल करके ही मेदांता भेजने पर सहमति बनी। इस बीच दोपहर साढ़े बारह बजे उनकी सांसें टूट गईं।

CHANGE OF NAME

I have changed my Old Name from **PUSHPA RAMESHLAL PUNJABI** To **PUSHPA RAMESH PUNJABI** as per documents. Now I will be known by my New Name **PUSHPA RAMESH PUNJABI.**

Add : Flat no 7, 2nd floor, satnam-d- apartment, opp sadhu vaswani statue, ULHASNAGAR- 421001, Dist. Thane.

CHANGE OF NAME

I Have Changed My Old Name from **SHANTADEVI MURANI HARIJAN** To **SHANTI MURARI TAK.** Now I will be known by my New Name **SHANTI MURARI TAK** as per Govt. Gazzette (M-21116549)

Add : Brk. no. 1508, Room no.13, Section 30, ULHASNAGAR- 421004, Dist. Thane.

आम सूचना

मैं श्रीमती सुशीला रामरजन्म गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि शेड नं. 5, दुर्गा पाड़ा, शांति प्रकाश स्कूल के पीछे, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीआय022471500) उक्त प्रॉपर्टी श्री रामजन्म बदन गुप्ता के नाम पर है। श्रीमती पिंकी बालचंद्र गुप्ता अल्यास पिंकी रामजन्म गुप्ता, श्रीमती सोनी जीतेंद्र गुप्ता अल्यास सोनी रामजन्म गुप्ता, श्री विजय रामजन्म गुप्ता व पूनम विजयकुमार मिश्रा ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 13.12.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद में अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुशीला रामरजन्म गुप्ता

आम सूचना

मैं श्री लालू करुना राय सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 403, 4था माला, मयूर अपार्टमेंट, रुम नं. 426, ब्लॉक नं. ए-71, वेनसी जगनानी मार्ग, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 13बीआय015487200) उक्त प्रॉपर्टी श्री निखिल लक्ष्मणदास विधाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.2.2025 सी.नं. 313 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री लालू करुना राय

उल्हासनगर महानगरपालिका निवडणूक विभाग

मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, उल्हासनगर 429003 जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र
Tel No:-0251-2720116/125 Ext. No. 237

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025
जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा-या सार्वत्रिक निवडणूकीसाठी अंतिम प्रभाग निहाय मतदार यादी प्रसिद्ध करण्यात येत आहे :-

1	अंतिम प्रभाग निहाय मतदार यादी प्रसिध्द करण्याचा दिनांक	सोमवार, दिनांक 15 डिसेंबर, 2025
2	प्रभाग निहाय अंतिम मतदार यादी येथे उपलब्ध आहे.	1) निवडणूक विभाग, महानगरपालिका मुख्यालय 2) प्रभाग समिती कार्यालय क्र. 1 ते 4, 3) महानगरपालिका संकेतस्थळ www.umc.gov.in
3	अंतिम मतदार यादीची प्रत प्राप्त करुन घेणे	अंतिम मतदार यादीची प्रत विहीत शुल्क भरणा केल्यानंतर महानगरपालिका मुख्यालय निवडणूक विभागातून प्राप्त करुन घेता येईल.

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : 15 डिसेंबर, 2025
जा.क्र. उमपा/पीआरओ/443/2025,
दि. 15/12/2025

सही/-
(मनिषा आव्हाळे, भा.प्र.से)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

ठाणे शहर में 19 दिसंबर तक 50% पानी की कटौती

ठाणे. कल्याण फाटा पर महानगर गैस के काम में पिसे बांध से ठाणे शहर को पानी सप्लाई करने वाली 1000 mm डायमीटर की पानी की पाइपलाइन, जो 11 दिसंबर को टेमघर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी ले जाती थी चार से पांच अलग-अलग जगहों पर डैमेज हो गई थी।उस पानी की पाइपलाइन को ठीक करने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।लेकिन इस काम में और 4 दिन लगने की संभावना है। इसलिए ठाणे शहर में 19 दिसंबर तक 50 परसेंट पानी की कमी लागू की जा रही है।वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट पानी की पाइपलाइन को तुरंत और तेज़ी से ठीक करने का काम कर रहा है।पानी की पाइपलाइन पुरानी है और प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट टाइप की है।इसलिए रिपेयर के काम में देरी हो रही है और इस काम को पूरा होने में और 4 दिन लगने की संभावना है।

महाराष्ट्र के 29 मनपा के चुनाव का ऐलान

■ 15 जनवरी को वोटिंग, 16 को रिजल्ट

मुंबई. महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग होगी. 16 जनवरी को रिजल्ट आ जाएंगे. महाराष्ट्र की सभी 29 महानगर पालिकाओं के लिए 15 जनवरी को ही मतदान होगा और 16 जनवरी को नतीजे आएंगे. इस घोषणा के साथ ही राज्य में आचार संहिता लागू हो गई है. महानगरपालिका चुनाव 2022 से लम्बित हैं. अब ठीक एक महीने बाद चुनाव होगा.

बीएमसी चुनाव तिथियां:

नामांकन दाखिल करने की तिथि: 23 से 30 दिसंबर, 2025नामांकन पत्रों की जांच: 31 दिसंबर, 2025नामांकन वापस लेने की तिथि: 2 जनवरी, 2026चुनाव चिन्हों का आवंटन और अंतिम उम्मीदवारों की सूची: 3 जनवरी, 2026चुनाव तिथि: 15 जनवरी, 2026परिणाम: 16 जनवरी, 2026

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी 2026 तक सभी स्थानीय निकाय चुनाव पूरे करने की समय-सीमा तय कर दी है. चुनाव आयोग के ऐलान से साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार ही सभी निगमों में चुनाव कराया जा रहा है. राजनीतिक रूप से, बीएमसी मुंबई जैसे अन्य बड़े शहरों के चुनाव सबसे अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि ये राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेंगे. इससे पहले, राज्य के 264 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान 2 दिसंबर, 2025 को हो चुका है. इन चुनावों के नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. करीब 24 नगर परिषद और नगर पंचायतों में चुनाव स्थगित हुए थे, जिसकी मतदान की संशोधित तारीख 20 दिसंबर तय की गई और नतीजे 21 दिसंबर को ही घोषित किए जाने हैं. मुंबई, पुणे, ठाणे जैसे महानगर पालिकाओं के नतीजे सीधे तौर पर राज्य की सत्ता का मूड और सत्ताधारी गठबंधन की लोकप्रियता दिखाते हैं. इन चुनावों से राज्य की सत्ता का समीकरण प्रभावित होता है. ये निकाय राज्य की सबसे अधिक आबादी वाले शहरी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं. शहरी विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य सेवा और नागरिक सुविधाओं की जिम्मेदारी इन्हीं निकायों की होती है, जिससे आम नागरिक सीधा प्रभावित होता है.

क्यों अहम हैं महानगर पालिका चुनाव?

महानगर पालिका यानी म्युनिसिपल कारपोरेशन चुनाव स्थानीय निकाय चुनावों में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं. शहरों की देखरेख करने वाली पालिकाएं राज्य की राजनीति का केंद्र होती हैं. आर्थिक राजधानी मुंबई पर सबसे बड़ा फोकस रहेगा. मुंबई महानगर पालिका (BMC) सिर्फ देश की सबसे बड़ी नहीं, बल्कि एशिया की सबसे अमीर महानगर पालिका है. इसका बजट कई छोटे राज्यों के वार्षिक बजट से भी अधिक होता है. इसलिए इस निकाय पर नियंत्रण का मतलब है भारी आर्थिक और राजनीतिक शक्ति पर नियंत्रण.

मनोहर नागरकर और आर्टिस्ट रघुनाथ कदम की स्मृति में आयोजित

'39वें रविकिरण चिल्ड्रन्स ड्रामा कॉम्पिटिशन' में 'अडलंय का' अव्वल

■ रविकिरण स्पिनिंग गोल्ड कप कल्याण के 'सेक्रेड हार्ट स्कूल' को मिला!

■ 'दिव्या खाली दौलत' को दूसरा और 'रंग जाणिवांचे' को तीसरा स्थान मिला

मुंबई. छह दशकों से ज़्यादा समय से सामाजिक, एजुकेशनल, आर्ट और स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अपनी अमिट पहचान बना रही रविकिरण संस्था का बहुप्रतीक्षित 39वां चिल्ड्रन्स ड्रामा कॉम्पिटिशन इस साल ज़्यादा जोश, ज़्यादा जोश और ज़्यादा कलाकारी के साथ मनाया गया। 11 और 12 दिसंबर 2025 को माटुंगा के यशवंत नाट्य मंदिर में हुए इस कॉम्पिटिशन में, कल्याण वरप के 'सेक्रेड हार्ट स्कूल' का बच्चों का नाटक 'अडलंय का' विनर बना, जिसने बेस्ट बच्चों के नाटक, बेस्ट डायरेक्शन, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर और बेस्ट लाइटिंग डिज़ाइन के लिए पहला प्राइज़ समेत पाँच अवॉर्ड जीते। यह रंगीन कॉम्पिटिशन कल्पना से भरपूर 19 अच्छे बच्चों के नाटकों के बीच हुआ।

इस साल, रविकिरण मंडल का यह कॉम्पिटिशन मंडल के सीनियर सदस्य मनोहर नागरकर और कोंकण की लाल मिट्टी के नाटककार रघुनाथ कदम की याद में समर्पित था। मंडल के सीनियर सदस्य अशोक परब को कला के क्षेत्र में उनके काम के लिए और हेमंत चव्हाण को सामाजिक कामों में उनके योगदान के लिए खास तौर पर सम्मानित किया गया।

'सन मराठी वाहिनी' के बिज़नेस हेड दीपक राजाध्यक्ष और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरीताई पेडणेकर इस समारोह में खास तौर पर मौजूद थीं। दोनों महानुभावों का 'चिल्ड्रन थिएटर' और 'ड्रामा' से अटूट रिश्ता देखा गया। बच्चों की एक्टिंग स्किल्स, प्रेजेंटेशन में पकड़ और लेखकों की खास तौर पर तैयार की गई स्क्रिप्ट्स में अद्भुत कल्पना, समय के हिसाब से टॉपिक्स में विविधता ने इस साल के कॉम्पिटिशन को यादगार बना दिया।

दीपक राजाध्यक्ष ने कहा कि यह पक्का है कि इस कॉम्पिटिशन में अपना टैलेंट दिखाने वाले बाल कलाकार कल के चमकते सितारे बनेंगे। कॉम्पिटिशन को पॉपुलर युवा एक्ट्रेस पूर्वा पवार, सीनियर थिएटर डायरेक्टर हेमंत सुहास भालेकर और सीनियर थिएटर क्रिटिक, प्रेजेंटर, आर्ट डायरेक्टर और जर्नलिस्ट नंदकुमार परशुराम पाटिल ने जज किया।

कॉम्पिटिशन में एक्टर प्रमोद पवार, नारायण जाधव, महेंद्र पवार, विनोद पवार और कई दूसरे जाने-माने कलाकार मौजूद थे। 'डिंडी 'Z' प्रतिष्ठान की 'दिव्या खाली दौलत' ने बेस्ट चिल्ड्रन्स प्ले, राइटिंग और डायरेक्शन के साथ-साथ सेकंड प्राइज और बेस्ट थर्ड एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। 'मुक्तछंद नाट्य संस्था' के 'रंग जाणिवांचे' को बेस्ट एक्टिंग और राइटिंग के लिए पहला प्राइज़ मिला, और बेस्ट तीसरा बच्चों का प्ले और डायरेक्शन के साथ-साथ एनकरेजिंग एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। अनूप मोरे स्पोर्ट्स एंड सोशल फाउंडेशन, पुणे के बच्चों के प्ले सर्कस को स्पेशल जूरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही, पहला एनकरेजिंग प्राइज़ पार्ले तिलक विद्यालय इंग्लिश मीडियम विले पार्ले स्कूल के 'रे क्षण' को और दूसरा एनकरेजिंग प्राइज़ 'संदेश विद्यालय, पार्क साइट' के 'होता जीवा मेयुन वाचला शिवा' को दिया गया। 19 बेहतरीन बच्चों के प्ले में से फाइनल रिजल्ट घोषित किए गए।

चेंदणी कोलीवाड़ा के साईनगरी में SRA प्रोजेक्ट

पूर्व पार्षद भरत चव्हाण की कोशिशों से 800 परिवारों का घर का सपना होगा पूरा

मोहनसिंह धामी

ठाणे. चेंदणी कोलीवाड़ा में साईनगरी इलाके के डेवलपमेंट को 'SRA' के ज़रिए मंज़ूरी दे दी गई है। पूर्व वरिष्ठ BJP पार्षद भरत चव्हाण का साईनगरी इलाके में 'SRA' लागू करने का फॉलो-अप सफल रहा है और इससे 800 परिवारों का घर का सपना पूरा होगा।

साईनगरी, चेंदनी कोलीवाड़ा में N.G. नंबर 212/A, 212/B और सड़क के किनारे कुछ ज़मीन पर बसा है। इस इलाके को फिर से डेवलप करने के लिए लोगों ने साई माऊली कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी बनाई थी। लेकिन, कोस्टल रेगुलेशन ज़ोन (CRZ) प्रोजेक्ट को मंज़ूरी नहीं मिल रही थी। साथ ही, कई टेक्निकल दिक्कतें भी आ रही थीं। इस वजह से लोग परेशान थे।

इस मामले में पूर्व सीनियर BJP पार्षद भरत चव्हाण ने पहल की। वे सेंट्रल एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट को लिखकर CRZ की शर्तों के हिसाब से मंज़ूरी लेने में कामयाब रहे। उन्होंने ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से बात करके टेक्निकल दिक्कतों को सुलझाने की भी कोशिश की। आखिर में, 'SRA' के चीफ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफिसर ने साईनगरी इलाके में 'SRA' प्रोजेक्ट को लागू करने की मंज़ूरी दे दी। साई माऊली कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने साईनगरी के निवासियों को न्याय दिलाने के लिए पूर्व पार्षद भरत चव्हाण को धन्यवाद दिया है।

रिक्शा में ज्वेलरी से भरा पर्स चोरी

उल्हासनगर. कटाई और नेवाली नाका के बीच रिक्शा से जा रही अर्चना गोविंद बिरासदार का ज्वेलरी का पर्स रिक्शा में बैठी दो महिलाओं ने चुरा लिया। पर्स में 2.40 लाख रुपये के सोने के गहने थे। उल्हासनगर हिललाइन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रहने वाली अर्चना बिराजदार शनिवार दोपहर 12 बजे कटाई और नेवाली नाका के बीच रिक्शा से जा रही थीं। उस समय रिक्शा में दो और महिलाएं बैठी थीं। सफर के दौरान दो महिलाओं ने अर्चना का ज्वेलरी पर्स चुरा लिया। पर्स में 2.40 लाख रुपये के गहने थे।

SST महाविद्यालय के 'गूंज' में नवरसों का उल्हास

■ युवा सृजनशीलता का भव्य प्रदर्शन

उल्हासनगर. विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने वाला एसएसटी महाविद्यालय का सुप्रसिद्ध 'गूंज' सांस्कृतिक महोत्सव उल्हासनगर स्थित टाउन हॉल में उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष का 'गूंज' भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में वर्णित नवरस की संकल्पना पर आधारित था। संगीत, नृत्य, नाट्य और फैशन शो की प्रस्तुतियों के माध्यम से कला-संस्कृति का रंगारंग उत्सव मनाया गया।

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में यूथ आइकॉन, प्रसिद्ध मेंटर, स्ट्रैटेजिस्ट एवं सोशल आंत्रप्रेनर सागर पगार तथा विशेष अतिथि के रूप में रॉयल कॉलेज, डोंबिवली के प्राचार्य डॉ. विवेककुमार पाटिल, एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और ट्रस्टी डॉ. हीना मूलपानी उपस्थित थे। सागर पगार ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने वाले एसएसटी के उपक्रमों की सराहना करते हुए युवाओं को अपनी क्षमताएँ पहचानकर सफलता की ओर अग्रसर होने का मार्गदर्शन दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु एसएसटी महाविद्यालय द्वारा वर्षों से संचालित नवाचारी उपक्रमों की प्राचार्य डॉ. विवेककुमार पाटिल ने विशेष प्रशंसा की।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गायन, नृत्य, नाटिका एवं फैशन शो ने दर्शकों का मन मोह लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। इससे पूर्व पूरे सप्ताह 'गूंज' के अंतर्गत कॉलेज डेज का आयोजन किया गया था, जिसमें मिस-मैच डे, बैक-टू-स्कूल, ट्रेडिशनल डे, टाई-डे और साड़ी-डे जैसे उपक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लेकर परंपराओं का आनंद लिया तथा फाईन आर्टस् और लिटरीरी आर्टस् के तहत आयोजित रंगोली, मेहंदी, नेल आर्ट, पोस्टर,कार्टूनिंग, एलोकेशन, डिबेट और स्टोरी टेलिंग जैसी स्पर्धाओमे भी युवाने उत्साह से भाग लिया।

साथ ही, उद्यमशील कौशल विकसित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय के सिबिक सेल द्वारा 'स्वयं से उद्यम तक' उपक्रम के अंतर्गत फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों ने व्यावसायिक कौशल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया गया। इस वर्ष 'गूंज' चैम्पियनशिप ट्रॉफी कनिष्ठ महाविद्यालय में कॉमर्स विभाग ने तथा वरिष्ठ महाविद्यालय में आईटीसीएस विभाग ने अपने नाम की।

संजीवनी सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का सफल संचालन प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में, उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे के सहयोग से सांस्कृतिक विभाग प्रमुख डॉ.तुषार वाकसे ने सहकारी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के साथ किया।

'गूंज' महोत्सव ने एक बार फिर एसएसटी महाविद्यालय की सांस्कृतिक समृद्धि, सृजनशीलता और विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभा को प्रभावी रूप से रेखांकित किया।

अंबरनाथ चुनाव में कांग्रेस की स्थिति डगमगाई

■ कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ता अन्य पक्ष के लिए काम कर रहे -गोपाल राय

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद का चुनाव दिलचस्प मोड पर आ गया है. शहर पश्चिम के कुछ परिसर में कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता खुल कर शिवसेना के लिए कार्य कर रहे हैं. कांग्रेस के अंबरनाथ के खजांची गोपाल राय ने शिवसेना की नगराध्यक्ष उम्मीदवार मनिषा वालेकर एवं यहां के उम्मीदवार के पक्ष में घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं. वांद्रा पाड़ा, गौतम नगर परिसर में ये देखने को मिल रहा है. उनका कहना है कि कांग्रेस के शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल एवं कृष्णा पाटिल दोनों ने कांग्रेस को छोड़कर शिवसेना शिंदे गट में चले गए थे. पहले प्रदीप पाटिल ने ये कदम उठाया तो उनके स्थान पर कृष्णा पाटिल को कांग्रेस का शहराध्यक्ष बनाया गया. अब इस चुनाव में प्रदीप पाटिल को दोबारा शहराध्यक्ष बनाए जाने पर कृष्णा पाटिल ने शिवसेना का दामन थाम कर घरवालों के लिए शिवसेना की उम्मीदवारी ले ली है. जब शहर के वरिष्ठ नेता पक्ष के साथ ऐसा खेल खेल रहे हैं तो कार्यकर्ता पदाधिकारी क्या करें? इसलिए उन्होंने शिवसेना के लिए खुलकर काम करना शुरू कर दिया है. ऐसा गोपाल राय ने कहा है. शहर में इसकी भी चर्चा है कि पिछले नगर परिषद में काउंसिल में कांग्रेस के 8 नगरसेवक थे. 2025 के चुनाव में 8 नगरसेवकों का चुनकर आना मुश्किल दिखाई दे रहा है. शहर पूर्व में कांग्रेस की स्थिति कमजोर है. पश्चिम में भी उनके उम्मीदवारों को शिवसेना, भाजपा के उम्मीदवार दगड़ी टक्कर दे रहे हैं, ऐसा गापोल राय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा है.

गाड़ी की टक्कर से मौत

उल्हासनगर. रामप्रकाश वर्मा शनिवार शाम 7:30 बजे हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में उसाटणे से खोनी रोड के बीच बबलू ढाबा के सामने मेन रोड पार कर रहे थे। उसी समय एक तेज़ रफ़्तार गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वर्मा की मौत हो गई। हिललाइन पुलिस ने अज्ञात गाड़ी ड्राइवर के खिलाफ़ केस दर्ज किया।

आम सूचना

मैं श्री संजीव विद्याधर काटकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ब्लॉक नं. ए-285 के सामने, कुर्ला कैम्प रोड, राहुल नगर, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 40सीओ009197900) उक्त प्रॉपर्टी श्री श्रवण चिपटूजी गराडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संजीव विद्याधर काटकर

आम सूचना

मैं श्रीमती संगीता प्रशांत मराठे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, ब्लॉक नं. ए-564, गजानन नगर, गणेश नगर, गणेश कालोनी, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 41सीओ009337000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लता तोताराम सोनार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.10.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती संगीता प्रशांत मराठे

आम सूचना

मैं श्री सुशीलकुमार रामसुमेर कुशवाहा सभी को सूचित कर रहा हूं कि गाला नं. 57/1, शिव कालोनी, बैरक नं. 1968 के सामने, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 57डीओ019508800) उक्त प्रॉपर्टी श्री भावन अर्जनदास तनवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुशीलकुमार रामसुमेर कुशवाहा

आम सूचना

मैं श्री नौशाद खान मोहम्मद अमूनीदीन इस्लाम सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 896 चौ.फुट, हनुमान नगर, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016240400) उक्त प्रॉपर्टी श्री झगा मंगा घोरपडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 9.10.2025 सी.नं. 547 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री नौशाद खान मोहम्मद अमूनीदीन इस्लाम

'धुरंधर' के सुपरहिट होने पर रणवीर सिंह का रिएक्शन...

■ लिखा, "लेकिन फिलहाल... नजर और सब्र।"

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की लेटेस्ट फिल्म 'धुरंधर' सुपरहिट साबित हो गई है। ये फिल्म 5 दिसंबर के दिन रिलीज हुई थी और 14 दिसंबर तक इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ के क्लब में जगह बना रही है। लोगों के साथ-साथ सेलेब्स भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच, रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक इमोशनल नोट पोस्ट किया है।

सोमवार के दिन रणवीर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'धुरंधर' का एक डायलॉग लिखा, "किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है कि वो वक्त आने पर बदलती है।" यूं तो फिल्म में ये डायलॉग आर माधवन के किरदार ने कहा है, लेकिन इंस्टा स्टोरीज पर उन्होंने ये डायलॉग पोस्ट कर लिखा, "ल किन फिलहाल...नजर और सब्र।"

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म ने सिर्फ 10 दिनों में भारत में 351 करोड़ रुपये (नेट) और दुनिया भर में 530 करोड़ रुपये (ग्रॉस) का कलेक्शन कर लिया है। इसका दूसरा पार्ट भी आने वाला है।

300 करोड़ पार करने वाली तीसरी फिल्म

साल 2025 में सिर्फ तीन फिल्मों ने ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। पहले नंबर पर है विकी कौशल की 'छावा', दूसरे नंबर पर है अहान पांडे की 'सैयारा' और तीसरे नंबर पर है रणवीर सिंह व अक्षय खन्ना की 'धुरंधर'।

SST कॉलेज का 'आविष्कार' शोध सम्मेलन में उल्लेखनीय प्रदर्शन

■ तीन प्रोजेक्ट ज़ोनल फेरी के लिए चयनित

मुंबई. मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 20वें 'आविष्कार' अंतर-महाविद्यालयीन शोध सम्मेलन में एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ने अपनी शोध-आधारित उत्कृष्ट कामगिरी से प्रभावी छाप छोड़ते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। SSTRACC के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्साह, नवाचार और शोध के प्रति गंभीरता दर्शाते हुए मजबूत सहभागिता दर्ज की।

इस वर्ष महाविद्यालय के 240 विद्यार्थियों ने छह विभिन्न श्रेणियों में अपने शोध प्रस्तुत किए। 48 प्रोजेक्ट्स का पंजीकरण शोध-उन्मुख शिक्षा की ओर विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि को रेखांकित करता है। गुणवत्ता-आधारित कार्य का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के तीन शोध प्रोजेक्ट्स का चयन ज़ोनल फेरी के लिए किया गया, जिन्हें परीक्षकों से विशेष प्रशंसा भी प्राप्त हुई।

इस महत्वपूर्ण सफलता का श्रेय महाविद्यालय के सुदृढ़ मार्गदर्शन और सामूहिक प्रयासों को दिया जा रहा है। संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और IQAC समन्वयक डॉ. खुशबु पुरस्वानी के मार्गदर्शन में SSTRACC समन्वयक डॉ. वर्षा सावलानी, सदस्य प्रा. स्वाती पिल्लई, तथा अन्य मार्गदर्शक प्राध्यापकों ने छात्रों को निरंतर प्रोत्साहन और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया।

एसएसटी महाविद्यालय शोध के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है और विद्यार्थियों को नई कल्पनाओं, सामाजिक संवेदनशीलता तथा गुणवत्ता-आधारित शोध के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है।

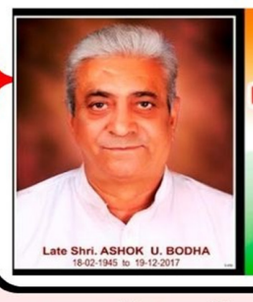

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099